

ASIAN ARCHIVES

1281

1281

दि कां पूजय ॥ न गानन विष्णु मिश्रं ख मूका स्फटिक कोर्म सुवर्ण
नाजगादीनां पृष्ठपूर्वा लाह यत्र षां गृहीत्वा कूं रु ति नि युक्ता ल्य न
त्या गुं वा म ह सु नि धाय वस्त्र धु स्म न र्दं क ल्या त्रि ४ य नि शा म्य मूलं द
श धा उ पि त्वा गि या दि का र्या न त्या गुं स्था य य ॥ म हा धू य न धू य
य ॥ ३ को रूं कूं शु क्क का लि का या गुं पू न या सी ति सु ग न्ध ज ला दि
ना या गुं पू न य ॥ न ग पू ज ॥ को रूं सा मा म न वा गुं पू ज या सी त्यु न्

॥ ज्ञां श्रीं सूर्या मृत पादं पूजयामि ॥ यूर्ध्व ॥ ज्ञां श्रीं अश्वामृत पादं पू
जयामि ॥ दक्षिण ॥ ज्ञां श्रीं वायामृत पादं पूजयामि ॥ पश्चिम ॥
ज्ञां श्रीं आमामृत पादं पूजयामि ॥ मध्य ॥ गण्डल ॥ ईकां क्रीं दू
क्रीं ॥ ॐ नित्यं च वीजानि लिख्य ॥ मूलनगुं डलिले लिखानथा
निधनमूडां र्थय ॥ मूलनसकधजय ॥ गङ्गालं अमृतमयः
आत्माननादकनात्मानं पूजापकनर्धं वात्युक्तय ॥ ॥ ॐ ति

विष्णुसार्धस्त्रायनं ॥ गत ४ प्रिकाद्यप्यं च कादनवकाद्यशुद्धदलदा
दण्डलकादसदलवृत्तचतुनसुप्रिष्णुलाकृर्कनिर्मायमधुर्ल
गासुसोवधुर्दियां कृत्वा तत्पार्श्वयूनतानिधाय तत्तुमधुर्ल
पूजय ॥ यथा द्वात्रिंशं ॥ ईशं श्रीं अश्वामृत पादं पूजयामि ॥ ईशं महा
यागिनीसद्यकलेष्वनायनम ॥ ईशं महादेववायनम ॥ ईशं का
धेश्वरवायनम ॥ ततो वक्रमानप्रकाशेन देवीनूयमात्मानं विवि

कृष्णपुष्पमर्कटसीत्वाकनककृषिकीकृत्वाकृदययध्वयवींश्च
त्वामानसायवात्रेयूजय॥ न तामधुलमध्वसूक्ष्मसन्नानियूजय॥
ॐ कृष्णशगमूक्षुसनायनम॥ ॐ द्वायनयूगमूक्षुसनायनम॥
चर्वकलियूग॥ सन्तद॥ यशर्वद॥ सामयद॥ अथर्वयद॥ ॐ ॐ
दुमूक्षुसनायनम॥ चर्वअग्निमूक्षु॥ नैमय॥ वनूद॥ वाय॥ क्वयन॥
शीघ्रान॥ उर्ध्व॥ अ॥ ॐ हृदिमूक्षु॥ चर्वहिति॥ संज्ञान॥

अनाख्याक्रम॥ रासाकसाक॥ ॐ बुद्धयतासनायनम॥ चर्वविष्णु
यतासनायनम॥ नूदयता॥ ॐ ध्वययता॥ सदानिवयता॥ ॐ
ॐ मसाहेत्रययतासनायनम॥ ॐ कृष्णं कृष्णं मसागिवासनाय
नम॥ मधुलेशसन्नानिसूक्ष्म॥ ॐ मसाधूयनधूयय॥ न त॥
कृष्णपुष्पमर्कटसीत्वाकनककृषिकीवद्वाकृत्यध्वयवींश्चय
॥ ॥ यथाध्वान॥ यथाध्वानयवद्वामि॥ यथाज्ञानक्रमनगु॥

त्रस्य विज्ञानमाशुभं साधकः सिद्धिराप्नुव० ॥ नीलात्यलदलम्भा
मा नीलनलविनिर्मिता । ज्ञानत्रयि कृताया आनिर्मधुलसं
ख्या ॥ दणवकुामसाकाली सफविंशगिलावना । श्रृङ्खलत्रय
गार्दभ्यः पुञ्जदलेन नानना ॥ उर्ध्वसिंहाननं दया ४ ॥ (ध्वगवर्धु
सुखासुनी । तदधः ४ रुद्रवर्कुचः कर्णग्रेलाक्षजामनी ॥ कपीन्द्र
समूर्खवाभः प्रकावर्धुमः ॥ शोकोली । मद्रवर्कुचः रवेदकः धू

प्रवर्धुख्यानकं ॥ तार्कवर्कुचवाभः पुः पीनवर्धुसर्वचूर्कः । दक्षि
(धमकनास्यं चः हनिगारं युकीरितं ॥ गजास्यं वामकथाकं ॥ (ने
त्रवर्धुमहाकटं । दयास्यं दक्षि (धकात्या ४ ॥ समवर्धुविचित्रयः
॥ सर्वेदक्षकनालं चः त्रिभुंलीमनादिनी । धूर्तं गकुटिलारी
माः कालास्याधीमुखारुमा ॥ यिद्धलाईजगतायः चन्द्राईकृग
(शयना । नानात्रयं यदिति ॥ (धनकाशालिमालिनी ॥ सफविंश

निम्नोत्थ-त्रकविद्युवसंयुगे॥त्रकालियुष्यसंयुके॥निनामात्ताय
कीर्तिता॥विदत्तवतिकाकाश-खड्गयागंघनकिर्का॥खड्गमं
धुंधनूष-चक्रयधमसाध्वनी॥वालयुतच-लेलच-कक्षलनक
लंतथा।सूर्यचक्रदिनीर्वं-षडमुंडाठिकायून॥वक्रियागुंचद
धुंच-ध्रुवाक्षत्रचकणत्रिं।वसुमूकनतमनू-विशुनीवामवाकूहि
॥विदत्तवटिकाकर्ह-तर्जुन्यकृणयधुर्क।नत्तयूधुंचकलसं-

विष्णुर्लदूकनागर्न॥यंचयागुयतान्वाधान्-यद्यद्वीयमतागमी
कनंचयाविजार्गच-कृत्रिकागामनकथा॥यूष्यमालांठिधुमं
च-वृधुस्रसिकवद्विनी।कमधुर्लध्रुवांचेव-धुंधुयूधिरसाय
ह॥नशावर्हकधुर्लच-मांसखंठंमू-रनी।वीजयूनरुर्लः
ध्रुवां विशुनीदक्रवाकूहि॥शादुचर्मयत्रीधना-कालचमोह
नीयका॥किंकिणीजाल॥राशा-वीनयधमनिनादिना॥यूयूना

मावद्यानाष्टी. घर्घनावावलीषधः। कटकाङ्गदकयून. महालिक
नेष्मरना। मृदुमालागलाङ्गश्या. श्रूयादानवलेखिनी। नक
पद्मायत्रिगता. शुक्लकाशालिमालिका। कांचीकद्वानकायता. कटिद्व
श्याविनाजिना॥ वृक्षसुशाललक्ष्म. शाययदरुत्रीयका। सोम्याष्ट
द्वय। त्रैयुक्ता. नागनाजायलंकना॥ नलकृदुलकधुशी. र्यचकाता
सनसिना॥ वृक्षविष्णुवृद्धय. ॐ श्वनथसदागिवशायी न ४४॥

मानकधूस्र ४॥ श्वनथ्ययचकात्रध ४॥ दधुचक्रकिशूल. खड्गाङ्ग
यूधधनका ४॥ गर्जनीमुखनि ४॥ क्रिका. निवाधस्तात्रि लावना। पि
ननकनिवा। श्रया. रुक्मानवलीषधः॥ वज्रदंष्ट्रानखस्यर्ध. यय
यक्षनिवारुमा। यद्मायत्रिहितादवी. नयमानासदादिता। मू
कङ्कानजिज्ञाशु. लालयनविचिन्तय ७॥ ॐ श्वनथसदागिवशायी न ४४॥
श्राद्धिन्ननवथोवना. एसाक्रमस्यमश्वस्त. मस्तयकालनूविधा॥

ॐ निश्चानं कृत्वा मधुलं ^मश्वावा दय ॥ ॥ यथा ॥ ३ न मा र ग व नि
चामू (धु दू) ग रु र ग ज स नू वि छि ॥ ॐ कृ वि रु यी जी र शु रू कालि
क सर्व क र्म गि जी र जी र जी र दू रू रू व (धु) प्र व (धु) किलि र
कि वि र मा द य र जी र य र द न र क र र कि वि र य र य स र रू र
रू र रू र रू र ग स य र यू रू य य र नि द्रा य य र य द ह त्रि जी व
र नि द न र मा न य र श्रान य र ख द र वृ दू र दू रू मा न र दू र

ॐ २ कं २ मान २ हन २ द ४ २ क ४ २ झं २ मूं २ कूं २ कूं २ ज ४ २ ख ४ २
 लं २ ल ४ २ ली ४ २ वि ४ २ न वि ४ २ म म ४ २ दि नि ४ २ कूं २ कूं २ क ४ २
 ॐ २ कूं ३ रु ४ २ कूं २ हं २ म म ४ २ म म ४ २ लि ४ २ हन २ कूं २ रु ४ २ कूं
 रु ४ २ न म ४ २ सा ४ २ ॥ ॥ ॐ ति म ४ २ ध वा ४ २ न मू ४ २ या ४ २ गु ४ २ को ४ २ लि
 क ४ २ ॐ सा ४ २ ग ४ २ क ४ २ सा ४ २ य न मू ४ २ या ४ २ ॐ ह ति ४ २ स ४ २ नि ४ २ ध न मू ४ २ या ४ २
 ॐ ह ४ २ स ४ २ नि ४ २ ध ४ २ दि ४ २ स ४ २ ध न मू ४ २ या ४ २ ॐ ह ४ २ स ४ २ नि ४ २ ध ४ २ स ४ २ श्र ४ २ व ४ २ गु

धनमूद्रया श्रुवमुष्ण धनमूद्रां महामूद्राय दध्म मूलननि
नीङ्क भयग्राया कर्षा श्रुमुष्टतातुर्न मूलनसमीकनधकृशा
७॥ ॥ गग४याद्युनिष्ठा ॥ ॐ जां कूं कुं रुं श्रीं जां कों यं वं लं वं ठं
षं सं दं लं कं सा दं दं स४थी गुञ्ज कालिकाया ४ या ध ॐ द या ध
४थी गुञ्ज कालिकाया ४ जीव ॐ द हि ग ४ कों जां श्रीं रुं कुं दूं जां थ
गुञ्ज कालिकाया ४ वा द्य ना वृञ्ज दं कान या ध ॐ ए ल क दू र्जि द्वा

श्रुत्वादि सर्वं नित्यादि ॐ हा ग ल सु खं वि त्रं नि कृ नु स्वा हा ॥ ॐ नि
 या हा य नि स्वा ॥ न ना मूल मू चार्थ ए न त्या र्थं श्री गु ऋ का लि का र्थे न म
 ४ ॥ मू ले न ॐ द म र्थ स्वा हा ॥ श्री गु ऋ का लि का र्थे न म ४ स्वा हा ॥ ॐ द
 मा च म नी र्थ मूल मू चार्थ श्री गु ऋ का लि का र्थे न म ४ ॥ ॐ द म नी र्थ
 न म ४ ॥ मू ले न श्री गु ऋ का लि का र्थे स्वा हा ॥ ज र्वं ग न्ध पू ष्य पू य दी या
 दि नै व र्थं द या ७ ॥ श्रु ति ना श्रु च म नी र्थ ॐ म हा पू य न पू य थ ७ ॥

वैष्णवर॥ रुद्रवृत्तमाय॥ श्रीं डितिकाथे॥ जीवद्रियागार॥
संगिद (ॐ) रा॥ वीषद्वयवाये॥ सुं ब्रह्मनाय॥ ह्रीं सिंहाय॥ श्रीं
वक्राय॥ श्रीं मूकनाय॥ खंजमनुकाय॥ २१॥ दक्षि (ॐ) श्रीं चिद्ध
वलि काथे नमः॥ रुद्रकलकाथे॥ ह्रीं गङ्गाथे॥ श्रीं ब्रह्मभय॥ उ
दध्याय॥ ह्रीं कलभाय॥ सोऽष्टिगुलाय॥ ह्रीं वाष्पाय॥ ह्रीं यथा
य॥ श्रीं पूरुकाय॥ ह्रीं कृन्नाय॥ श्रीं पानिजानाय॥ ह्रीं कृन्नाय

२॥ श्रीं भामनाय॥ श्रीं यथामालाथे॥ ह्रीं तिष्ठिमाय॥ श्रीं गृध्र
य॥ श्रीं त्रिकाय॥ ह्रीं वद्वथे॥ ह्रीं केमकुलकाय॥ वषट्
ध्वक्॥ (ॐ) यथुयथय॥ श्रीं नद्यावर्त्तय॥ ह्रीं ककुलाय॥
मांसखम्भाय॥ श्रीं रुलाय॥ श्रीं सुधी॥ २१॥ ननत्रावनमय
जा॥ समिन्मययथेदवि-येनामननसयिथ॥ अनूरीं कालिकद
हि-यत्रिवानार्चनाय॥ ॐ निदशैयूथनिवश-अनूरीं लब्धा

यनिवात्राईनमानरु७॥ ॥ त्रिभूलाष्टक॥ ॐ मत्तामनुकालि
काम्बायादुर्कायूजयामि॥ ॐ मत्तारीषयकालिकाम्बा॥ ॐ म
त्ताकमकालिकाम्बा॥ ॐ कालकालिकाम्बा॥ ॐ गगनका
लिकाम्बा॥ ॐ एकलसाकालिकाम्बा॥ ॐ भद्रकालिका
म्बा॥ ॐ मत्ताकालकालिकाम्बा॥ ॐ स्वर्गकाटस्वरीकालि
काम्बा॥ ॐ नाडनाडस्वरीकालिकाम्बा॥ ॐ मत्ताजमनी

कालिकाम्बा॥ ॐ लसाशगिनीकालिकाम्बा॥ ॐ लसस्वरी
कालिकाम्बा॥ ॥ ॐ त्रिभूलाष्टक॥ मत्त४ याउमदले॥ ॐ कौंक
कौंक ॐ उअय कालिकाम्बायादुर्कायूजयामि॥ ॐ उअरुकात्रकालिकाम्बा॥
ॐ उअसिंदिकालिकाम्बा॥ ॐ उअधिधर्मस्वरीकालिकाम्बा॥ ॐ उअक
नस्वनीकालिकाम्बा॥ ॐ उअनांजायिकाकालिकाम्बा॥ ॐ उअलंसावतीकालि
काम्बा॥ ॐ उअक्रीक्रीमतीकालिकाम्बा॥ ॐ उअकुंभिकाकालिकाम्बा॥ ॐ उअ

हूं कान कालिका मा ॥ ॐ शान कालिका मा ॥ ॐ श्रु कालिका मा
 ॥ ॐ जल नादिनी कालिका मा ॥ ॐ म० मारिनी कालिका मा ॥ ॐ स्या
 मिनी कालिका मा ॥ ॐ हां हा सिनी कालिका मा ॥ ॐ तिथा उहा कालि
 का मा उहा द ले ॥ ॥ गग द्वा द हा द ले ॥ ॐ श्रीं हूं सृष्टि कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं
 हितिका कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं संदान कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं हं स कालिका
 मा ॥ ॐ श्रीं हूं यम कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं कालग्रस्त कालिका मा ॥ ॐ श्रीं
 हूं कालनाशिका कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं वल्लु वल्लु ध्वनी कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं
 वी नदी नं ध्वनी कालिका मा ॥ ॐ श्रीं हूं

महाकृतान्तकालिकाया॥ ॐ भौं हूं नक नक न न कालिकाया॥ ॐ भौं हूं का
लागिकालिकाया॥ ॥ ॐ तिङ्गुददल॥ ॥ अथ दल॥ ॐ भौं वक्रवती
कालिकायादकयूडयामि॥ ॐ ॐ नदवती कालिकाया॥ ॐ ॐ कोमानवती
कालिकाया॥ ॐ ॐ मंदिवसती कालिकाया॥ ॐ ॐ दयानवती कालिकाया॥
ॐ ॐ पुनकवती कालिकाया॥ ॐ ॐ डीं साम्भुवती कालिकाया॥ ॐ ॐ अ४
चलिकावती कालिकाया॥ ॥ ॐ तिङ्गुदल॥ ॥ यत्तस्तु गायि॥ ॐ ॐ अ४
सिताई रौ नवाय अक्षय कया गिनी सही नायनम॥ ॐ ॐ न न रौ नवा

यज्जस्रक योनिनीसहिताय नमः॥ ॐ उं वं न वा यज्जस्रक यो
निनीसहिताय नमः॥ ॐ मं का न वा यज्जस्रक यो निनीसहिताः
य नमः॥ ॐ उं उं न वा यज्जस्रक यो निनीसहिताय नमः॥ ॐ
उं नं कया ली न वा यज्जस्रक यो निनीसहिताय नमः॥ ॐ उं उं शी यः
न वा यज्जस्रक यो निनीसहिताय नमः॥ ॐ उं उं ४ सं ह न न वा
यज्जस्रक यो निनीसहिताय नमः॥ ॐ ति न वा यज्जस्रक यो ॥ ॥ तता
न व का ॥ ॐ उं उं उं न वा कालिकाया यज्जस्रक यो ॥ ॐ उं म हा स्र का

लिकाया ॥ ॐ उं म हा य स कालिकाया ॥ ॐ उं म हा मृ त् कालिकाया ॥
ॐ उं म हा र ड कालिकाया ॥ ॐ उं य न मार्क कालिकाया ॥ ॐ उं म हा मा
रु लु कालिकाया ॥ ॐ उं म हा कालाग्रि कालिकाया ॥ ॐ उं उं उं उं
गु ष्ट कालिकाया ॥ ॥ ॐ ति न व का ॥ न व कालि द्ये को ॥ ॥ त उ
य थ म स्र क म का ॥ ॐ म हा व लु या ॥ ॐ न वा यज्जस्रक यो न वा यज्जस्रक यो
॥ ॐ उं उं उं म हा स्र कालिकाया ॥ ॐ उं उं उं उं उं
म हा वि ग्रा म त नि ना य न वि ति र व लु र व न व न नि व ज्जस्रक यो न व

तरे नव नव निरु न। जय नय नाय न सर्वाधिक कला कल न्ये भाने म
 नान्तनिक के वल के वल निर्वा ल सुद्ध वद्ध स नूय उय मान दित निर्बिका
 शयुका भक स ह्रीं न्य नी रे दुं रु ट ला हा स धि कालिका म्ना ॥ तलादिताः
 यस्मिन्ति कुमको ल ॥ ॥ ॐ जो दुं कुं दुं रु क कालिका म्ना रे दुं म्ना महाव
 लु या (गन्ध नी ज्वा ॥ ॥ रे रे रे रे रे महास्मिन्ति कालिका ल ग ॥ सन का
 लि ज्वा ॥ ॐ जो दुं कुं रे दुं महा रे नवी सर्वा या यन कान का स्मिन्ति वाध
 न स यूलु ल कुली रा व व न्धन सु दनी य न स सिद्ध सुद्ध वद्ध स नूय म नान्त
 नि निव भान्ते भान्ते सर्वे न्य नी या न वि द्य कु र्व ज्य नि मि न रं जा नि धन

महावलय या कुमय न या म वा हि नि ज्वा तान नूय नें को सो महास्मिन्ति नी न्य नी का
 लिका म्ना ॥ ॥ ति स्मिन्ति ४ ॥ ॥ संहान कुम ४ ॥ ॐ जो दुं कुं दुं म्ना महाव
 लु या (गन्ध नी ज्वा या ॥ ॐ जो दुं कुं दुं रे दुं रे रे महा संहान न ॥ कालि
 काल ग सन कालि दुं रु ट या ॥ ॐ जो दुं कुं दुं रे दुं महा व लु या (गन्ध नी
 व लु कुम साध नी स र्वे यो स य स नी ज ग को टि के व नी महा महा काल सः
 क र्व नी महा कुली नूड को ध रु ट कुं रु ट रु ग ति संहान न्य नी रे दुं रु टः
 ला हा ॥ संहान न्य नी ज्वा ॥ ॥ ति संहान कुम ४ ॥ ॥ ज्वा र्वा के म ॥

रं दु र

ॐ कौं कुं क्रीं कुं खूं म हा व लु या (ग ध व नी ज म्मा या दू कां ॥ ॐ कौं कुं क्रीं कुं खूं
 म हा व लु या (ग ध व नी ज ना र्वा का लि रुं ट या दू कां यू ॥ ॐ कौं कुं क्रीं कुं खूं
 रुं ट म हा व लु य लु मू खं य लु या (ग ध व नी रुं ट य लु दू ४ ख वि भा र नी सर्व
 म ये ला य वि ध्या ति ना त जा म रा ज मूर्ख मूर्ख ज सो ध सा ध नि सिद्ध दि यु द म द
 सा न्ना म रा ज रि म त म यु य रु सर्व सर्व ह ज मू य सर्व मू य जी रुं ट रुं ट रुं ट
 कौं कौं स वि शं ध व नी रुं ट ला हा ॥ ज ना र्वा ध व नी का लि का म्मा या दू कां यू ॥
 ॐ ति ज ना र्वा क म ४ ॥ ॥ त ता रा सा क म यू जा ॥ ॐ कौं कुं क्रीं कुं खूं म
रु ३

ग ३

रु ३

हा व लु या (ग ध व नी ज म्मा या दू कां यू ॥ ॐ कौं कुं क्रीं कुं खूं रुं ट म हा व लु या
 म रा ज सर्वा य रा न का न की सर्व यु का ध की सर्व ध व नी न ई दि क ला डा द
 य वि वर्ति ति म न्नु म उ ४ ल नू य य न क्क न यु द न म्मि ल नू य त ता ता त ज
 जे व लु व लु वि गृ ह वि श्रा व रा म की रा म य २ ख व न नी रा न ख ४ रुं ३
 रुं ० २ यू ई रा सा न ला हा ॥ रा म ध व नी का लि का म्मा या दू कां यू ज या मि ॥ ॐ
 ति रा क म ४ ॥ ॐ ति र्यं क का ल ॥ ॥ त त मि का ल यू जा ॥ ॐ रुं ॐ रुं जा ल ध
 या न म हा यी (० म म गी ला का लि का म्मा या दू कां यू ॥ ॐ रुं ॐ रुं जा ल ध

गजसूत्रसर्वविद्युच्चदकनजांजांमूंम४महाकालीमाक्षीनालमसूत्र
 लुवलुसवलसरासदित००मांयूजांवलि००२साहागलयतयचव
 वलिर्नम४॥ ॥वटुकवलि४॥मलुलवलिंसंलुय०वांवटुकारनम४
 ॥गन्धदिरिर्वलिंसंयू०वलिदद्या०॥नेंद्रोपीरुंदवीयूउवटुकनाः
 थयि०लार्दक०मूकाटुहासजलियाभासा०ममविद्युक्तर्क०२०२०२०
 २०२०लोके०गमनाथियसवलसरासदित००मांयूजांवलि००२सा
 हा॥वटुयप्रववलिर्नम४॥ ॥ततामूलदवीवलि४॥यूर्वाकयकारन
 का

लमलुलेवलिं संहारं लमलुकार्यं ॥ श्रीगुरुकालिकार्ये नमः ॥ ॐ ॥
तिगन्धदिरि ११ संहारं ननवलिन्द ॥ ॥ मन्त्रायथा ॥ ११ नमः ॥
मलुयुयलु रं लामिलिआडियानदि २ रं जालं धनमहालक्ष्मीरु
मिहुवावादि नगनव रं वासितिकर्तु कुरु महाकर्तु अष्टमातत्रिम
रं मन्त्रिकालिवे वृविने न्दि कोमात्रिवावादि माहृदि याम् ॥ ११ ॥
महालक्ष्मीरु नविसारा माहृमाय सर्वसिद्धिं ददिसर्वसंसावतामि
लिदवीकाद कामरूपनिवासिनि ह्मन्ननरं नवयिय सप्तन स ज

सर्वगतं नवयिय विषमदुर्भवनयवतवासिनि सर्वम सर्वमवासिनि र

देत देत विद्यदिनिने ११ दूं दूं श्रीकिरि २ किलि २ रुनर रुहुर यसर २ दूं
सिद्धि रं नविसर्व यागिना सप्तन स कामिलिने ला क वासिनि यथयथ
वासिनि वृ कुरु वासिनि सर्ववर्षत यवर्षत वासिनि सुगतं यविजय
अग अयनाजिग कुरु नवलि रु नलि रु नलि रुमिलि ११ ११ सप्तन स य
दिता रवरं कुरु रं नवसदिग तं ला क मात जावा ११ ११ दूं दूं नमः
स्वाहा ॥ श्रीगुरुकालिकार्ये नमः ॥ ॥ अथदिवादि गलि
११ ॥ अथोदूर्ध्व ॥ ११ ११ दूं दूं सर्वमहा रं नवाय यागिनि सिद्धि वन्द

स्वः नमः ॥ अथ ॥ ॐ असर्वमहारं नवयागिनीसिद्धि वृन्दस्य ॥ अथ
दिकस्तित्त्यानमः ॥ २ ॥ दक्षिण ॥ ॐ असर्वमहारं नवयागिनीसिद्धि वृन्दः
स्यादौ किल दिकस्तित्त्यानमः ॥ नेमस्य ॥ ॐ असर्वमहारं नवयागिनीसि
द्धि वृन्दस्य नेमस्य दिकस्तित्त्यानमः ॥ यन्मिष ॥ ॐ असर्वमहारं नवया
गिनीसिद्धि वृन्दस्य यन्मिष दिकस्तित्त्यानमः ॥ वायव्य ॥ ॐ असर्वम
हारं नवयागिनीसिद्धि वृन्दस्य वायव्य दिकस्तित्त्यानमः ॥ उत्तर ॥ ॐ
असर्वमहारं नवयागिनीसिद्धि वृन्दस्य उत्तर दिकस्तित्त्यानमः ॥
दक्षिण ॥ ॐ असर्वमहारं नवयागिनीसिद्धि वृन्दस्य दक्षिण दिकस्

हे साकगर्भं कुं कुं सिद्धि २ कुं २ धनय २ य २ धन धन्य वत्त सर्वसुखि
न धन कूद स सहा सिद्धि मद्धि ददि रसहा जे वि सु ति महा म धन य
न न सो राग्य समस्त क नि सिद्धि याम् पु यून य २ कुं सर्व म मान थ स
व स य द व व २ व य य य २ यात य २ नि धि द द २ अ धे ध र्य द द २ ध
न य २ य २ ४ सो राग्य द द २ नि धन धन्य दि न ल द द २ स त त म व सिद्धि
कुं न २ धन २ कुं २ कुं न त म य व य य २ सर्वान् य ज्ञान् ज्ञान्
य य २ वि य ना ज द द २ सर्व कु भ ल द द अ वि युं कु न २ न भा म हा मा
य य ज्ञाना ज्ञाना कुं ३ कुं ३ कुं महा धन द द २ सर्व धन पु य द सि

दि (जे नो कुं २ न म ४ शा शा शा ३ अ कालिकारो पुष्व लि नू म ४ ॥ कुं
कुं पुं कुं न म ४ सा हा सर्व म सा या गिनी पु अ द द य सर्व सिद्धि य द कुं व दि र सर्व ला क नि
वा सि नि कुं ३ सर्व ला कान द दि नि सि ता कु नू र व लिं ग सा हा य सी द म उ रू रू कुं रू रू कुं
रू रू न म ४ रू रू सा हा रू रू ॥ ॥ ॐ ति स मे य व लि ४ ॥ न न ४ कि लि कि ला सु व लि ४ ॥
कुं उं कुं कुं सक ल ण पु य म थ न वि द्या न द न कुं रू रू द द क ना लि कुं रू रू सा हा
ने कि लि कि ला सु व लि ४ ॥ न ना न क व लि ४ ॥ उं कुं कुं कुं कुं उं कुं न क व
सा हा कुं रू रू सा हा ॥ ॐ ति न क व लि ४ ॥ ॥ न न ४ या ध म या म कृ ता मूल
प द सु धा जे य ॥ पु न ४ या ध म या म कृ ता गु अ नि गु अ ग म पि त्व ५

आशा सरस्वती

1.281

ASHA ARCHIVES

मसाधमसकृर्गङ्गासिद्धिरुवगुप्तदविन्दत्यसादान्मदब्धत्रि॥ ॐ नि
 पठित्वाविष्णुमार्थोदकनदद्यादामदसकृर्गङ्गासमर्थय॥ गतमुत्थाः
 यदास्यमूलमूर्तार्थोद्युक्तकालिकेदविन्दमस्यनिविसर्गय॥ गता
 निष्काल्यचन्दनपुष्पादिकंमूलनाहिसमुत्थासन्निवसिधत्रनीयं॥ युनून
 मस्तान्कृत्यायथामूर्त्यविन्द॥ ॐ निष्कालिकाया४ य
 जाकुमविधि॥



खुं वक्षस्तान ॥ जां वामन ॥ दूंदकन ॥ सां वाम ॥ दुंदक
॥ जां वामना ॥ यूट ॥ जां दकना ॥ यूट ॥ न ४ वक्र ॥ म ४ नि
खायां ॥ मूलमकुक्षमस्तुकादियादानं विन्यस्य द्वादशविंशति
यः ॥ आर्न ॥ कुन्दं नृगं खवधुर्गं नृदस्यापत्रिसंस्तिगां ॥ यंच
वक्रां गूलखप मूर्धुचां कुगभागां ॥ वेनाहयधनां गकि
त्रि

धुक्कया लक्ष्मिनिर्घां॥खद्वाङ्गक्षनिर्घांदर्वां चिन्तयद्दुक्कवत्सलां
॥नर्वक्ष्मात्मानसायवात्रेयुङ्गय॥नग४युर्वव७व्यासंकल्पा-
चक्रमक्ष्मावाहय॥मूलनसिद्धिलक्ष्मि००सागच्छ२००सनि
ष्ट२००ससंनिदिताहव२००ससंनिद्राहव२००श्राविष्ठानं
कन२००शावाहनमूद्रया श्रावाहना विर्कं कल्पा मूलमूद्रा

या॥जांघांश्रांकांकांयनंलंवंगंषंसंदं४धासिद्धिलक्ष्मिदया
४याक्ष४००सयाक्ष४००धासिद्धिलक्ष्मि४जीव००सहि४००धासि
द्धिलक्ष्मि४सर्वद्विद्याविवाह्नन४चक्र४००यादयाक्ष४००सा
गयसुखंवित्रंनिष्ठुस्वाहा॥यादयनिष्ठाकल्पा मूलनचन
त्याद्यं४धासिद्धिलक्ष्मिनम४॥नर्व००श्रावनाचमनीययूषध

यदीयादीनिदशा॥ ततामूलनयं कर्त्तुं श्रुतिद्विलक्ष्मीसय
त्रिवानां तर्कयामीति वा त्रयं तर्कय॥ ॥ त्रुतिस्त्रानं मूल
न॥ ॥ ततश्चक्रमश्च वक्रपूजा॥ ३ नमः ४ सिद्धिधात्रिनीत्य४ पू
र्ववक्राय नमः ४॥ नमः सिद्धिमागृह्यादद्विधवक्राय नमः ४॥ न
मानिह्यादिगानदनन्दिताये उरुत्रवक्राय नमः ४॥ सकल

कूलचक्रनायिकाये वाञ्छिमवक्राय नमः ४॥ रुद्रायै चतुका
या लिख्ये उर्ध्ववक्राय नमः ४॥ ॥ ॐ गिवर्कसंपूजा॥ त्रुथावन
धपूजा॥ वरुत्रसुपूजा॥ कर्त्तुं श्रीं वीरनाथयादं पूजयामि॥
रदणकं धननाथयादं पूजयामि॥ रक्षाधमूनिनाथयादं पू
जयामि॥ रवणिस्त्रनाथयादं पूजयामि॥ रजयद्रथनाथया

दं पूजयामि ॥ रमा नक्षी श्रुमायाद पूजयामि ॥ रगिनुवननाथः
यादं पूजयामि ॥ नगोददल ॥ जॉंथीं वक्कादीपादूर्का पूजयामि
रमादं ध्वनी ॥ रकुमात्री ॥ रवेष्टुवी ॥ रवानादी ॥ रंरुद्रादी ॥ रवा
मूर्त्ति ॥ रमसालक्ष्मी ॥ ॥ नगोददल ॥ जॉंथीं रंरुद्रादी ॥ रवा
श्रुमायादूर्का पूजयामि ॥ ३ वगवसे श्रुमायादूर्का ॥ ३ मायाया ॥ ३

रुद्राया ॥ ३ निखिन्त्याया ॥ ३ विजलाया ॥ ३ यमजिह्वाया ॥ ३ मरु
त्या ॥ ३ यददर्थ्याया ॥ ३ रीत्रमाता ॥ ३ कत्रकिदी ॥ ३ कलाक्षुत्री ॥ ३
नग ४ वक्कादी ॥ जॉंथीं जाकिनीक्षमा श्रुमायादूर्का ॥ रनाकिनीक्षमा ॥
रलाकिनीक्षमवर्त्याया ॥ रकाकिनी श्रुमा ॥ रलाकिनी श्रुमा ॥ रसा
किनी श्रुमा ॥ लाकिनी श्रुमा ॥ ॥ नगसुकादी ॥ जॉंथीं अठिया

नमस्तुतये भयनमः॥२॥ आर्चयेत्तु यो भयनमः॥२॥ पूर्णगिरि त्रयी
भयनमः॥ म॥ कामरूपययी भयनमः॥ मूलमूर्धार्य श्रीसिद्धि
लक्ष्मी देवी त्र्यम्बायादू कां पूजयामिनमः॥ ॐ तिर्थाङ्गलिः॥ पू
र्ववेदान्तप्रयत्नार्थम्॥ तामूलमुखवासिकादि कंदला मूलनालि
मंशुः श्रीं श्रीं शुभसिद्धि लक्ष्मी नमः ॐ तिनिवदय॥ पूयथ७ वलि

न्दया७॥ मूलनाक्षत्रगत धातुयित्वा॥ शुभानि शुभमनुष्ठ
दवी वामसु कं जयसमर्थम्॥ मूलमूर्धार्य श्रीसिद्धि लक्ष्मी काम
स्वतिवि सङ्गं यं७॥ मूलननिर्मा ल्यं निवसिष्यतय७॥ ॥
ॐ त्रियत्रालक्ष्मी पूजासंक्षेपः॥ ॥ तत्रालक्ष्मी विलसदवा
र्धनम्॥ शुभनमस्तुतये॥ श्रीं श्रीं त्र्यम्बायासनाय नमः॥ श्रीं श्रीं

श्रीरामासनायनमः॥ ॥ श्यासः॥ खूं यत्र सदा सिनी श्रुष्ट्या र्यां न
मः॥ खूं निर्वाहामार्गदगर्जनी र्यां नमः॥ खूं विषमापयवयुष
मनिमधुमा र्यां नमः॥ खूं सकलदूनिता निष्कृभदलनित्र
नामिका र्यां नमः॥ खूं सर्वोपदाह्रा धितत्र नि क निष्ठिका र्यां
नमः॥ खूं सकल गयुयमथनी कत्र तलय र्यां नमः॥ ॥
गतावकुं श्यासः॥ खूं नमः सर्वसिद्धि शानिनीत्यः उर्ध्ववकुनाथ

यादूकां॥ खूं सर्वसिद्धिमागृह्यः उर्ध्ववकुनाथयादूकां॥ खूं नः
भानि र्यादिता नन्दनदिताये दक्षिणवकुनाथयादूकां॥ खूं सक
लकचकुनायिकाये उरुत्रवकुनाथयादूकां॥ खूं रगवत्येव
धुकापालिशेयनिमवकुनाथयादूकां॥ खूं नमः सर्वसिद्धि शानिनीत्यः उर्ध्ववकुनाथयादूकां॥ ॥ खूं यत्र सदा सिनि सर्वरू
द्रदयायनमः॥ खूं निर्वाहामार्गदगर्जनी किञ्चित्सखाता॥ खूं

विषमाययुवयुधमनिश्रुनादिवाधभिख्यायेवषट्॥स्वुं सकल
दूत्रितात्रिकृष्णदलनिसप्ततुकवचायद्वं॥स्वुं सद्योयदास्तु
धितत्रविश्रुल्लफणकिंनरुगुयायधोषट्॥स्वुं सकलभगुयुध
मनिश्रुतायद्वं॥ॐ ऐहिक्यासः॥ ॥क्रांष्ट्रांजलयागसनाय
नमः॥क्रांष्ट्रांस्वुं सुखजलयागद्वं दानकाययादूकां॥षड्
॥श्रावाहनादिधनमूडा॥भयणी॥स्वुं सिद्धिलक्ष्मीविघ्नह

[illegible]

प्रमथिनी श्रुक्ताय रुद्र ॥ विन्दु ३ ॥ भिन्नसि सिं वय ॥ ॥ श्रुवाहनं
 ॥ झां झां श्रुं सा सायनायना देवी श्वचनी स्वस्व नूयिनी ॥ सनला
 क गता सोम्या ॥ श्रुयादिति स मकुल ॥ मूलविद्या ॥ श्रुवाह यि श्रु
 श्रुवाह यामि ॥ ० श्रुलं श्रुनक मकुल श्रीदिदवया ॥ ०० श्रुयादि
 श्रिदव ॥ मूडा ॥ श्रुं लं डाठिया नयी भययादू कां ॥ श्रुं वं डा
 लं धनयी भयया ॥ श्रुं नं यूर्धु मित्रिया भयया ॥ श्रुं र्यं काम

नूययी भयया धनवलि ॥ श्रुं श्रुक्षत्र नकाय श्रुयादि ॥ श्रुं म
 सायना सनायया ३ ॥ श्रुं नूदयना सनायया ३ ॥ ॥ क्षनं ॥ श्रुं म
 सागं डा मयी लक्ष्मी ॥ नन्मिका श्रय नयया ॥ यंचव कुाद गण्डुजा
 श्रियंच नयने र्युगा ॥ ॥ श्वनवर्धु मसाय देवी ॥ मसायुगा यत्रिहि
 गा ॥ मातनाष्टक मश्रुक्ता ॥ सिद्धि या गिनि पूजिता ॥ दानिगाया
 ललिताना ॥ गाला पूष्टं कर्तं जग ॥ ३ ॥ उक्ता साक्ता सया लान ॥ वा

लयत्कलयवर्गान्॥ कविद्विषः कवित्कथं कवित्संदनं कः
धमः॥ कवित्सु कवित्यालं त्वनं कृष्णाय वरुण॥ (मनासारं
होयुकाः उत्र गेयविद्विषाः। याः कृष्णाय देवी वनदाहयया
हिनी॥ सगुरुसुखं सर्वं तुलाकाकाहकात्रकं। वामस्य हस्त
मयुगं दक्षिणं गूलमुरुमं॥ त्रैलोक्यं धर्मं प्रोदं कृतज्ञां व
पूत्रिणं। सगुरुसुखं सर्वं मूर्धुं धामि तसा इकं॥ वामगुकल

मंदिरं मस्तान्नयदीपकं। प्रसापुत्रादिना देवी ननुना जायद
गम॥ प्रकाशानकरं दनं दिव्यं ग्रायवृष्टिना। पुण्यं गिरामस्त
देवी सिद्धिलक्ष्मी जययुदा॥ अन्नपूर्यं नमः॥ प्रिया अलि॥ नवा
कनी॥ वरुण॥ मयणी॥ रं सिद्धिलक्ष्मी वियरु नवत्यधामदि
तनालक्ष्मी युवा दया॥ धर्मं नवल्लि॥ मालामनु ४॥ तुं नमः
सर्वसिद्धिं गिनीया नमस्तु सर्वसिद्धिं मारुत्या नमो निह्यादिताः

नमो भगवते

नन्दनन्दितारो संकलकुलयकुतायिकारो रगवरो यलुका
यातिन्यो तद्यथा उं ऊं हूं हूं शौं कौं नमः॥ यनमं हंसिनी निर्वो न
मार्गद विषमाय यवयुजामनिसकलद्विताविष्टकृष्णद
लनिसर्वायदास्माधितननिसकलभद्रयुसथनि उं ऊं शौं हूं
विजागच्छ २ रुस २ वल २ तन नूयि नानुवभारु कनि मम सव
मर्द २ रवादि २ प्रिष्ठलनरिदि २ कि वि २ रवज्ञेनता उय २ रुः

दय २ तावद्यावत्सकलमना नथान्साधय २ यनमका नूकं र
गवतिमरु रो नव नूयधनिलि प्रिदभवनतमिग सकलमः
कुमान ४ युलन कनवत्सल द विमरु कालिकालनोमिति क
लुलिति हूं ३ युसीद तातुर्माकु नू २ सूना सू न क न्य कां ऊं शौं
ऊं हूं रुट २ ह्या हूं ॥ ३ ॥ धनवलि ॥ रं कर्म जलयतिनाथ
याद ॥ रं कर्म जलयतिनाथ वसे रा ह्या या ३ ॥ रं कर्म वदू

कनाथया॥ॐ कर्मवटू कनाथवल्लहाया॥ॐ कर्मक
उनाथया॥ॐ कर्मकउनाथवल्लहाया॥ॐ आदियान
यी० नाथया॥ॐ वृ कसंकसनाथया॥ॐ सर्वसंक्रान्तिनाया
॥ॐ मरुकाकनवीनसमभनाथया॥ॐ सर्वसंक्रान्तिनावल्लहा
टकं पुयालनाथया॥ॐ मरुसकलसंक्रान्तवल्लहाटकं पुया
लवल्लहाया॥ धनं वलि॥ २ याजिनीया ४ या॥ॐ मू ३

मृनीया॥ॐ मू मृनीया॥ॐ मू मादिनीया॥ॐ मू अ
कर्वनीया॥ धनं वलि॥ॐ रुं सासन यया॥ पुर्व वृषा ॥
मयना जगूज मरुया जजा युता सिंहा॥ॐ जं वृका लाद
वीजसिताई रं नवसहि यया॥ॐ कं मोरुव रं दवी नव
नवसहि ता रं यया॥ॐ रं को मा नो दवी वलु रं नवसहि ता रं
या॥ॐ ट वं वृवी दवी को धरं नवसहि ता रं॥ॐ तं वाना

हादवा उत्तमरु नवसदितायेया ॥ रहुं यं ॐ न्यालीदवाः
कयालीसरो नवसदितायेया ॥ रहुं यं वामलुं दवाहीवल
रु नवसदितायेया ॥ रहुं नमस हल मी दवाहीस हान नवस
दितायेया ॥ धनं वलि ॥ रहुं निवा दवाही जसायाद का ॥ नव रहुं
रुजवती दवाही ॥ रहुं सया दवाही ॥ रहुं रुद्रा दवाही ॥ रहुं किंकि
ती दवाही ॥ रहुं विमला दवाही ॥ रहुं कमजि दवाही ॥ रहुं लक कव

नी
लीदवाही ॥ रहुं यल्ल दवाही ॥ रहुं यो नसा ता दवाही ॥ रहुं किंकि द
वाही ॥ रहुं का किनी दवाही ॥ धनं वलि ॥ रहुं जं जं पूं पूं जाकि न्या
दका ॥ रहुं नौ नौ पूं पूं वाकि न्यायाद का ॥ नव रहुं लौ लौ लु
लु लौ लाकि न्यायाद वाही का ॥ रहुं कां कां पूं पूं का कि न्यायाद
वाही का ॥ रहुं सां सां लु लु साकि न्यायाद वाही का ॥ रहुं हां हां पूं
पूं हाकि न्यायाद वाही का ॥ धनं वलि ॥ रहुं यल्लु विजि

यी भययादुकां ॥ रं ॥ कामयु ययी भययादुकां ॥ रं ॥ जालंध
 ययी भययादुकां ॥ रं ॥ अठियानयी भययादुकां ॥ धनवलि
 ॥ प्रियाजलि ॥ नेवाकृति ॥ खउ ॥ मूलनवलि ॥ वाउ ॥ अमीः
 शुभकालिन ॥ प्रियांजलि ॥ गयणी ॥ रं ॥ कालनाप्रिविदुका
 लर्भकर्मधामदुतनी कालियुवादया ॥ धनवलि ॥ प्रियुनया
 प्रयांजलि ॥ खउ ॥ वलि ॥ वलिविरामनु ॥ निवाहगवतीसा

६२

दि ॥ जांभां रं ॥ सर्वथागिनीय ॥ सर्वकृपयालय ॥ रं ॥ २२ ॥ ट
 हा ॥ त्वाकमहावलि ॥ धूयदीय नयद्य जाय साग ॥ तयलि ॥
 लकानेक ॥ अर्वयुर्व ॥ ॥ ०० ॥ तिसिदिले श्रीदवोर्वनविधि ॥ ॥
 ॥ ॥ १ ॥ ३ ॥ शुक्रालिकार्येनमे ॥ अथनित्यकुर्म ॥ तगुयुजा
 मनुयंगत्वादायुजादिकसामान्याद्यस्यय ॥ यथवासेरु
 सुनदीकासेनयाप्रमकगृहीत्वा ॥ ३ ॥ कासेनस्यय ॥ ३ ॥ का

६३

वनयू नय॥ ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं ॐ ॥ तिमन्तुल यू ड य॥ ॐ का वलि
य॥ ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं ॐ यानि मू डी ड य॥ ततु ड लन्द ला म यणी
ड य॥ ॐ ॐ काल या वि वि द म रु काल सं क वि नि धा म दि त न ४
कालि यु बा द या ॥ ततु ड ल न स र्व य बा न सं य य॥ सामान्यो र्ध म
य न वि धि ४॥ ॥ ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं ॐ आ स ना य न म ४॥ आ स नं यू ड यि
ला य बा स नं व द्वा त गी य वि न्ध ॥ वा म द क्रि त म धा गृ व ग ल ण

ॐ सु द व ता न म रु त्वा मू लं न या न्म या मं रु त्वा त ना मा रु कां
न्या मा दि रु त्वा ॥ हा डा न या डा ॥ अ ह्य मा रु का न्या स ह्य व रु रं व व
म वि न य रु क म य गी रु न्द ४ गी म हा गृ रु कालि दे व ता य ऊ न
वा डं सु व ४ ण कि न य रु क की ल कं म म ण नी न रु द्वा र्थ वि या ग
४॥ व रु क रं व व मू व य न म ४॥ मा उ म ॥ अ रु क म य गी रु न्द स न
म ४॥ कू उ म ॥ गी म हा गृ रु कालि दे व ता य न म ४॥ रु द य म ॥ वं

ऊनखा वीऊनानमः॥ शुक्रस॥ स्रवखा भक्तिस्थानमः॥ सर्वाः
मिस॥ ममभनीन बुद्धि (थितिनिरागः॥ रुद्रावय॥ ॥ ऊं कं खं
नीयं दं ऊं ऊं बुद्धिस्थानमः॥ ॐ वं वं ऊं ऊं ऊं ॐ नं ऊं नीयं ता
॥ उं टं ॐ उं टं लं उं मधुमाया वसुदे॥ नुं तं थं दं धं नं नुं ऊं नासि का
यां ऊं उं यं रुं वं रुं मं उं नं उत राय वीखट॥ ऊं यं नं लं वं मं वं स
हं लं ऊं ॥ ऊं रुं राय रुं ॥ ॐ यादिक नाई न्यासः॥ ॥ ऊं नमः॥

ॐ नमः॥ खडामिखास॥

ललाट॥ ऊं नमः॥ खडामिखास॥ ॐ नमः॥ ऊं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥
मः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥
क्रासस॥ मं खडामिखास॥ ॐ नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥
उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥
थथुवाकाधि॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥
॥ सस॥ कं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥ उं नमः॥

ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
स॥ वं नमः॥ खडायका॥ वं नमः॥ खडायका॥ वं नमः॥
खडायका॥ वं नमः॥ खडायका॥ वं नमः॥ खडायका॥
खडायका॥ वं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥

य०॥ वं नमः॥ खडायका॥ वं नमः॥ खडायका॥ वं नमः॥
॥ खडायका॥ वं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
का॥ वं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥ ऊं नमः॥
यं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥
सूत॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥
ऊं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥ वं नमः॥

यदिह॥संमज्ञात्मननमः॥नृगलनिषखडा लाहानययिहः
याता॥संमज्ञात्मननमः॥नृगलनिषखडा लाहानययिहः॥
त्मननमः॥नृगलनिषखडा लाहानययिहः॥लंजीवात्मननमः॥नृ
गलनिषनाहिता॥कंयेवमात्मननमः॥नृगलनिषकृता॥
ॐतिमारेकान्यास॥ ॥ ॥मूलन्यासकुर्यात्॥ॐकौंकौः
ॐआधनयकंकालाग्रिर्दुःखात्वा॥ॐॐकेनिष्ठिकार्यानमः॥

सिद्धिकवालीअनामिकार्यानमः॥कौंकौंमधुमासां२॥मौंॐ
तर्जनीयां२॥नमाअर्जुन्यां२॥लाहाकनतलयुष्यां२॥
ॐतिकन्यासः॥ॐॐदुदयायनमः॥सिद्धिकवालीनिवस
सोहा॥कौंकौंनिखार्येवबट॥मौंॐकवचायदू॥नमानग
यायेवबट॥लाहाअम्भारुट॥तालप्रयत्नत्वादिव्य॥ॐ
एअर्जुन्यास॥ॐॐसिद्धिकवालीदक्षिणवक्त्रायनमः॥कौंकौं

॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥
 ॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥
 ॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥
 ॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥
 ॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥
 ॥ गङ्गा नदी प्रसन्न होय ॥